

असाधार्ण EXTRAORDINARY

भाग II—जवड 3—उप-जवड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)



प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

d. 17] No. 17] नई बिल्ली, बृहस्पतिबार, जनवरी 12, 1995/पौष 22, 19:6

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 12, 1995/PAUSA 22, 1916

काणिज्य मंत्रालय प्रतिमूचना

नई दिल्ती, 12 जनवरी, 1 :95

ांग, कर. नि. 23(स).—नाय विष्ठं) सरकार द्वारा नियुक्त चार्ग बंदर्धन विदेशकों की भर्ती धार मेवा की गर्ने) नियम, 1988 का और संशोधन करने के निरु किपिय प्रारुप नियम, नाय प्रिवित्यम, 1953 (1953 का 29) की धारा 49 की उपधारा (1) की प्रयंभावसार भारत के राजाव, ग्रमाधारण भाग 2 खंड 3 उपखंड (i) नारीख 28 जून, 1994 में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रातम की प्रधिम्चना स. सा. का. नि. 544(प्र) नारीख 28 जून, 1994 में प्रकाशित किए गए थे, जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उसमें प्रभावित होने की संभावना थी, प्राक्षेप ग्रौर सुझाव, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र की प्रतियां, जिसमें उन्त प्रधिमूचना प्रकाशित की गई थी, पैतालीस दिन की श्रवधि के भीतर सांगे गए थे;

ग्रीर उक्त राजपत्र जनता को 5 सितम्बर, 1994 की उपलब्ध करा दिया गया था ; - आँग केन्द्रीप सरकार हा जनतः ने कार्र आक्षेत्र **या सुमाव** प्राप्त नहीं हुए थे ;

शतः, केन्द्रीय सम्भार उस्त प्रशितियम की धारा 49 की उपधारा (2) के लंग (घ) के लाग पठित उपधारा (1) यस प्रदेश किएएपी का प्रयोग करते हुए, निम्न-लिनिखत नियम बनाती है, प्रार्थात् :---

- (1) इन नियमों का सीक्षण्त नाम चाय बोर्ड (सरकार द्वारा नियम चाप संत्रर्धेन निदेशकों की भर्ती ग्रीर सेश को शर्ते) संशोधन नियम, 1995 है।
- (2) ये राजपत्र में श्रंतिय प्रकाशन की नासीख को प्रदृत्त होंगे।
- 2. जाय बोर्ड (मरकान्द्वारा नियुक्त चाय संवर्धन निक्ष्मकों की भर्नी ग्रीर मेदा की सर्ते) नियम, 1988 के (जिमे इसमें इपके पश्चान् मूच नियम कहा गया है) नियम, 9 में, ---
 - (i) खंड (क) में, परन्तुक कालोप किया जाएगा;
 - (ii) खंड (ख) में, परन्तुक कालोप किया जाएगा।

 मूल नियम के नियम 11 में विद्यमान परस्तुक के स्थान पर निम्निलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :--

"परन्तु नियशित प्राधिकारी ऐसे कारणों में, जो लेखबढ़ किए जाएंगे परिवीक्षा की श्रवधि को दे। वर्ष से प्रमधिक बढ़ा मकेगा श्रीर परिवीक्षा की प्रवधि को बढ़ाए जाने के ऐसे मामले में, सबह शक्षिकारी को उस तारीख से, जिसका परिवीक्षा को श्रविध बढ़ाए जाने का विनिश्चय शिथा गया है, तीन शास की श्रविध के भीतर ऐसे बढ़ाए जाने के बारे में, सूचित शिया जाएगा।"

- 4 मृल नियमों के नियम 12 में उपलियम (1) के स्थान पर निम्नलिखन रखा आएगा, अर्थात:--
- "()) निय्वित प्राधिकारी व्येष्ट स्तर समिति से प्रामण करने के पण्डाप सीधी भनी हारा िसी पद पर विश्वन िसी ग्रिधिकारी की सेवा समाप्त कर सकेगा या श्रोक्षित द्वारा िसी प्रधिकारी की सेवा समाप्त कर सकेगा या श्रोक्षित द्वारा किसी पद पर नियुवन किसी ग्रिधिकारी की, यिना कारण बताए पर्विक्षिता की श्रविध के या परिविक्षा की बढ़ाई गई अविध के दीरान या उसकी समाप्ति पर उस पद पर प्रत्यावित्त कर नकेगा, जिमे बहु ऐसी प्रोक्षित से पूर्व धारण कर रहा था, यदि उस पद पर उसका कार्य भीर श्राचरण समाधानप्रद नहीं पाया जाना है।

स्पष्टीकरण:--इस उपनियम के प्रयोजन के लिए "ज्येष्ठ स्तर समिति" पद से अनुमूची की पद सं. 1 के सामने स्तम्भ (13) में उल्लिखित व्यक्तियों से मिलकर वनी रुमिति अभिप्रेत होगी।"

5. मृत्र नियमों की अनुसूची में क्रम सं. 1 के सामने स्त्रम (8) की मद (ii) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएमा, अर्थान्:—

"(ii) किसी प्रचार या विज्ञापन संगठन में कार्य-पालक स्तर पर कम से कम 10 वर्ष का प्रमुभव या निर्यात और विक्रम संवर्धन में कार्यपालक स्तर पर 10 वर्ष का अनुभव । विपणन अनुसंधान मर्वेक्षण कर सकने में समर्थ होना चाहिए और विभिन्न प्रचार माध्यम के उपयोग की पिद्धिति से पूर्ण रूप से परिचित होना चाहिए ।"

> [फा, संग्याई-11011/1/89-लांट(ए)] जे. के बागची, भ्रपर सचिव

पाद टिप्पणी :—— इस म्रिधिसूचना में उस्लिखित मूल नियमा-बली का प्रकाशन (दिनांक 16 मार्च, 1988 के भारत के राज-पन्न ग्रमाधारण भाग II खण्ड 3 उपखण्ड (i) में मा. का-नि. 349(क) द्वारा किया गया था जिसे बाद में दिनांक 24 ग्रम्हूबर, 1989 के सा. का नि. 915(क) द्वारा संगोधित विया गया।

MINISTRY OF COMMERCE NOTIFICATION

New Delhi, the 12th January, 1995

G.S.R. 23(E).—Whereas a draft of certain rules further to amend the Tea Board (Recruitment and Conditions of Service of Directors of Tea Promotion Appointed by Government) Rules, 1988 was published as required by sub-section (1) of section 49 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 28th June, 1994, with notification of the Government of India, in the Ministry of Commerce No. G.S.R. 544(E) dated 28th June, 1994, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of forty-five days from the date on which the Official Gazette in which the said notification was published were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 5th September, 19494;

And whereas no objections or suggestions were received from the public by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (d) of sub-section (2) of section 49, of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

- 1. (1) These rules may be called Tea Board (Recruitment and Conditions of Service of Directors of Tea Promotion Appointed by Government) Amendment ment Rules, 1995.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Tea Board (Recruitment and Conditions of Service of Directors of Tea Promotion appointed by Government) Rules, 1988 (hereinafter referred to as the principal rules), in rule 9,—
 - (i) in clause (a), the proviso shall be omitted;
 - (ii) in clause, (b), the proviso shall be omitted;
- 3. In rule 11 of the principal rules, for the existing proviso the following shall be substituted, namely:
 - "Provided that the appointed authority may, for reasons to be recorded in writing, extend the period of probation for not more than two years and in such case of extension of period of probation the concerned officer is to be

informed of such extension within a period of three months from the date on which a decision to extend the period of probation is taken."

- 4. In rule 12 of the principal rules, for subrule (i), the following shall be substituted namely:—
 - "(i) The appointing authority, after having consulted the senior level committee, may terminated the services of any officer appointed to a post by direct recruitment or revert without assigning any reason any officer appointed to a post by promotion to the post held by him before such promotion during or at the end of the period of probation or the extended period of probation, if his work or conduct to that post is found to be unsatisfactory.
 - Explanation.—For the purpose of this subrule the expression "senior level committee" shall mean committee consisting

- of persons mentioned in column (13) against post No. 1 of the Schedule."
- 5. In the Schedule to the principal rules, against serial No. 1, in column (8) for item (ii) the following shall be substituted namely:—
 - "(ii) At least 10 years experience at Executive level in a publicity or advertising organisation or 10 years experience at Executive level in export and sales promotion. Must be cabable of undertaking market research and surveys and thoroughly acquainted with the method of utilisation of different media for publicity."

IF. No. I-11013[89-Plant 'A'lJ. K. BAGCHI, Addl. Secy.

Foot Note: The Principal rules were published in the Gazette of India Extraordinary Part II, Section 3, sub-section (i) dated 16th March, 1988 vide GSR 349(E) and amended subsequently vide GSR 915(E) dated 24th October, 1989.